



Most Trusted Learning Platform

**CURRENT AFFAIRS
DISCUSSION**

जनवरी 2023 करेंट अफेयर्स – प्रीलिम्स 2024 के लिए

असम में परिसीमन:

- ❖ भारत निर्वाचन आयोग ने असम में विधानसभा और संसदीय क्षेत्रों के परिसीमन की प्रक्रिया शुरू कर दी है।
- ❖ यह प्रक्रिया 2001 की जनगणना के आंकड़ों पर आधारित होगी।
- ❖ असम में निर्वाचन क्षेत्रों का अंतिम परिसीमन 1971 की जनगणना के आधार पर 1976 में किया गया था।
- ❖ परिसीमन जनसंख्या में परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करने के लिए लोकसभा और राज्य विधानसभा सीटों की सीमाओं को फिर से निर्धारित करने का कार्य है।
- ❖ परिसीमन आयोग की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है और यह भारत के चुनाव आयोग के सहयोग से काम करता है।
- ❖ इसमें सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश, भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त और संबंधित राज्य चुनाव आयुक्त शामिल हैं।
- ❖ परिसीमन आयोग बिना किसी कार्यकारी प्रभाव के काम करता है।

असम में परिसीमन:

- ❖ संविधान कहता है कि आयोग के आदेश अंतिम हैं और किसी भी अदालत के समक्ष उस पर सवाल नहीं उठाया जा सकता क्योंकि इससे चुनाव अनिश्चित काल के लिए रुक जाएगा।
- ❖ परिसीमन का मुख्य उद्देश्य जनसंख्या के समान खंडों को समान प्रतिनिधित्व प्रदान करना है।
- ❖ किसी राज्य के सभी क्षेत्रों में जनसंख्या समान रूप से नहीं बढ़ती है। इसलिए, निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन न केवल जनसंख्या में वृद्धि को दर्शाता है बल्कि इसके वितरण में भी बदलाव को दर्शाता है।
- ❖ अनुच्छेद 82 के तहत, संसद को प्रत्येक जनगणना के बाद एक परिसीमन अधिनियम बनाना है। एक बार अधिनियम लागू हो जाने के बाद, केंद्र सरकार परिसीमन आयोग का गठन करती है।

आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम

- ❖ इसका उद्देश्य मौजूदा योजनाओं को एकीकृत करके, परिणामों को परिभाषित करके और उनकी लगातार निगरानी करके भारत के सबसे कठिन और अविकसित ब्लॉकों में नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाना है।
- ❖ इसके लिए भारत के 27 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों के 500 ब्लॉकों की पहचान की गई है।
- ❖ स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा, कृषि और संबद्ध सेवाएं, पेयजल और स्वच्छता, वित्तीय समावेशन, बुनियादी ढांचे और समग्र सामाजिक विकास पर ध्यान दें
- ❖ आकांक्षी ब्लॉक रणनीति भी तीन व्यापक रूपरेखाओं पर निर्भर करती है।
- ❖ अभिसरण (केंद्रीय और राज्य योजनाओं का),
- ❖ सहयोग (नीति आयोग, केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों, राज्य सरकारों और जिला और ब्लॉक प्रशासन का) और,
- ❖ जन आंदोलन की भावना से प्रेरित ब्लॉकों के बीच प्रतिस्पर्धा।

कानून का नियम सूचकांक

- ❖ विश्व न्याय परियोजना द्वारा जारी
- ❖ वर्ल्ड जस्टिस प्रोजेक्ट (डब्ल्यूजेपी) रूल ऑफ लॉ इंडेक्स 2023 के अनुसार, इस साल अधिकांश देशों में कानून का शासन एक बार फिर खत्म हो गया है।
- ❖ 6 अरब से अधिक लोग ऐसे देश में रहते हैं जहां 2022 और 2023 के बीच कानून का शासन कमजोर हो गया है।
- ❖ 2023 WJP रूल ऑफ लॉ इंडेक्स में शीर्ष स्थान पर देश डेनमार्क है, इसके बाद नॉर्वे (2), फिनलैंड (3), स्वीडन (4) और जर्मनी (5) हैं।
- ❖ भारत की रैंक = 142 में से 79

पैरामीटर

- 1 | सरकारी शक्तियों पर बाधाएँ
- 2 | भ्रष्टाचार का अभाव
- 3 | खुली सरकार
- 4 | मौलिक अधिकार
- 5 | व्यवस्था और सुरक्षा
- 6 | नियामक प्रवर्तन
- 7 | सिविल न्याय
- 8 | आपराधिक न्याय

4. वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट:

- ❖ थीम: आवाज की एकता, उद्देश्य की एकता
- ❖ यह अनिवार्य रूप से वैश्विक दक्षिण के देशों को एक साथ लाने और विभिन्न मुद्दों पर उनके दृष्टिकोण और प्राथमिकताओं को एक आम मंच पर साझा करने की परिकल्पना करता है।

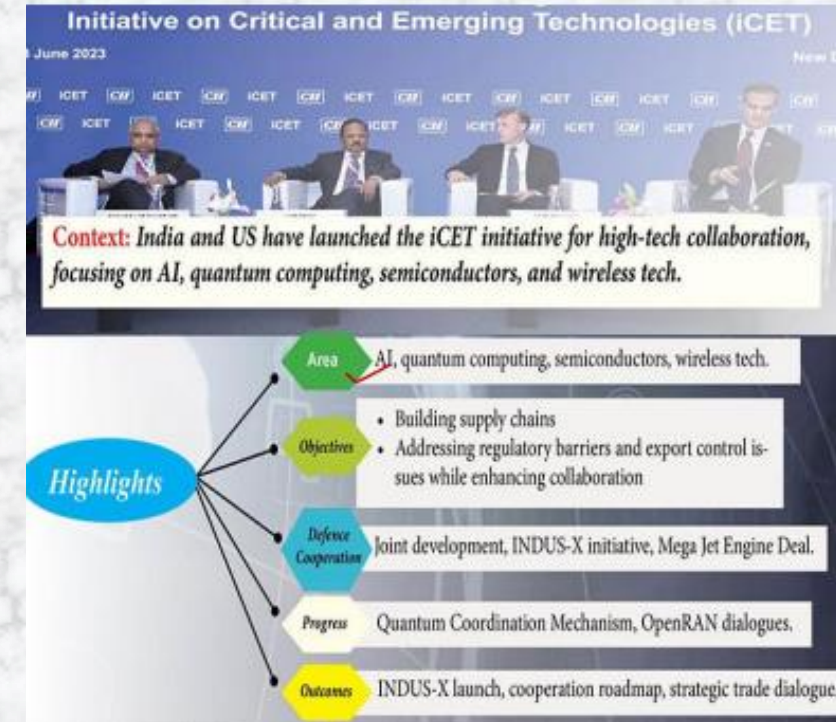
अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा - INSTC:

- ❖ यह एक मल्टी-मॉडल परिवहन परियोजना है जो 7,200 किलोमीटर तक फैली हुई है
- ❖ इसका उद्देश्य अफगानिस्तान, आर्मेनिया, अजरबैजान, रूस, मध्य एशिया, यूरोप के साथ-साथ भारत और ईरान के बीच माल के परिवहन को आसान बनाना है।
- ❖ दिसंबर 2016 में, भारत INSTC का उपयोग करने के लिए सहमत हुआ, जिसे 2000 में स्थापित किया गया था और 2002 में भारत, ईरान और रूस द्वारा अनुमोदित किया गया था।
- ❖ मल्टीमॉडल मार्ग भारत के मुंबई से शुरू होता है और ईरान में बंदर अब्बास और बंदर-ए-अंजली तक जाता है, फिर कैस्पियन सागर को पार करके रूस में अस्तखान, मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग तक पहुंचता है।



महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों पर पहल (iCET)

- ❖ क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज पर पहल (iCET) भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच सहयोग के लिए एक रूपरेखा है।
- ❖ इसे आधिकारिक तौर पर जनवरी 2023 में लॉन्च किया गया था।
- ❖ यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर, वायरलेस दूरसंचार और अंतरिक्ष सहित प्रौद्योगिकी के विकासशील क्षेत्रों में सहयोग पर केंद्रित है।
- ❖ iCET का उद्देश्य गैर-सरकारी हितधारकों के बीच सरकार-से-सरकारी बातचीत और जुड़ाव को अधिक बढ़ावा देना है।
- ❖ यह आपूर्ति श्रृंखला बनाने और वस्तुओं के सह-उत्पादन और सह-विकास का समर्थन करने के लिए नई दिल्ली और वाशिंगटन डीसी को "विश्वसनीय प्रौद्योगिकी भागीदार" के रूप में स्थापित करना चाहता है।



संयुक्त राष्ट्र शांति सेना: भारत की सबसे बड़ी महिला पलटन

- ❖ भारत ने सूडान के अबयेई क्षेत्र में महिला शांति सैनिकों की एक टुकड़ी तैनात की
- ❖ यह संयुक्त राष्ट्र मिशन में महिला शांति सैनिकों की भारत की सबसे बड़ी एकल इकाई है
- ❖ 2007 में, भारत संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में पूर्ण महिला दल तैनात करने वाला पहला देश बन गया।
- ❖ 1948 से दुनिया भर में स्थापित 71 संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में से 49 में 200,000 से अधिक भारतीयों ने सेवा की है।

संयुक्त राष्ट्र शांति सेना: भारत की सबसे बड़ी महिला पलटन

- ❖ संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षक देशों को संघर्ष से शांति की ओर कठिन, शीघ्र परिवर्तन करने में मदद करने के लिए सुरक्षा और राजनीतिक और शांति निर्माण सहायता प्रदान करते हैं।
- ❖ संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना तीन बुनियादी सिद्धांतों द्वारा निर्देशित है:
- ❖ पार्टियों की सहमति; निष्पक्षता; आत्मरक्षा और जनादेश की रक्षा के अलावा बल का प्रयोग न करना।
- ❖ यूएनएससी यह निर्धारित करता है कि संयुक्त राष्ट्र शांति अभियान कब और कहाँ तैनात किया जाना चाहिए।
- ❖ सुरक्षा परिषद, जैसा उचित समझे, मिशन जनादेश को बढ़ाने, संशोधित करने या समाप्त करने के लिए मतदान कर सकती है।
- ❖ चार्टर के अनुच्छेद 25 के तहत, संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य सुरक्षा परिषद के निर्णयों को स्वीकार करने और उन्हें लागू करने के लिए सहमत हैं।

- ❖ मई 2023 तक 7,278 शांति सैनिकों के साथ वैश्विक स्तर पर तैनात कर्मियों के मामले में बांग्लादेश शीर्ष योगदान देने वाला देश था, जबकि नेपाल ने 6,231 के साथ दूसरा सबसे बड़ा योगदान दिया और भारत 6,089 के साथ तीसरे स्थान पर था।
- ❖ संयुक्त राज्य अमेरिका (27.89 प्रतिशत), चीन (15.21 प्रतिशत), जापान (8.56 प्रतिशत) और जर्मनी (6.09 प्रतिशत) शांति स्थापना कार्यों में सबसे अधिक धन का योगदान करते हैं।

एशियन पैसिफिक पोस्टल यूनियन

- ❖ यह एशिया-प्रशांत क्षेत्र के 32 देशों का एक अंतरसरकारी संगठन है।
- ❖ भारत एशियन पैसिफिक पोस्टल यूनियन (एपीपीयू) का नेतृत्व संभालेगा जिसका मुख्यालय बैंकॉक में है।
- ❖ एपीपीयू का लक्ष्य सदस्य देशों के बीच डाक संबंधों का विस्तार, सुविधा और सुधार करना और डाक सेवाओं के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देना है।
- ❖ एपीपीयू इस क्षेत्र में यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यूपीयू) का एकमात्र प्रतिबंधित संघ है, जो संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है।

एशियन पैसिफिक पोस्टल यूनियन

- ❖ APPU तीन निकायों से बना है
- ❖ **कांग्रेस:** यह संघ का सर्वोच्च अंग है और यूपीयू कांग्रेस के 2 साल बाद इसकी बैठक होती है
- ❖ **कार्यकारी परिषद:** इसमें सभी सदस्य शामिल होते हैं और संघ के काम को सुनिश्चित करने के लिए हर साल इसकी बैठक होती है।
- ❖ **एपीपीयू ब्यूरो:** यह सदस्यों के लिए संपर्क, सूचना, पूछताछ और प्रशिक्षण के लिए एक निकाय के रूप में कार्य करता है।

नई भुगतान विधियां: यूपीआई लाइट, 123 पे और अन्य

❖ यूपीआई क्या है?

- ❖ शब्द "यूनिफाइड पेमेंट इंटरफ़ेस" (UPI) एक स्मार्टफोन एप्लिकेशन को संदर्भित करता है जो उपयोगकर्ताओं को बैंक खातों के बीच धन हस्तांतरित करने में सक्षम बनाता है।
- ❖ यह भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम द्वारा बनाई गई एक मोबाइल भुगतान प्रणाली है।
- ❖ ग्राहकों को अब बैंक खाता संख्या या अन्य वित्तीय विवरण जैसी निजी जानकारी बताकर लेनदेन शुरू करने की आवश्यकता नहीं है।

❖ **UPI123Pay** क्या है?

- ❖ भारत में नकदी-आधारित लेनदेन को कम करने के लिए, RBI ने UPI की शुरुआत की।
- ❖ आबादी के एक बड़े प्रतिशत के लिए जिनके पास स्मार्टफोन की कमी थी, UPI अनुपलब्ध था।
- ❖ RBI ने इस समस्या को हल करने के लिए UPI123Pay की शुरुआत की।
- ❖ ग्राहक स्कैन और भुगतान को छोड़कर, UPI123Pay का उपयोग करके लगभग सभी लेनदेन के लिए अपने फीचर फोन का उपयोग कर सकेंगे।

नई भुगतान विधियां: यूपीआई लाइट, 123 पे और अन्य

- ❖ **यूपीआई लाइट क्या है?**
- ❖ यूपीआई लाइट एक "ऑन-डिवाइस वॉलेट" है।
- ❖ यूपीआई लाइट का उपयोग करने के लिए, उपयोगकर्ताओं को पहले अपने बैंक खाते से ऐप के वॉलेट में पैसे जमा करने होंगे।
- ❖ उपयोगकर्ता इंटरनेट के बिना वास्तविक समय में भुगतान कर सकते हैं क्योंकि यह एक "ऑन-डिवाइस वॉलेट" है।
- ❖ चरण एक में, यूपीआई लाइट लगभग ऑफ़लाइन मोड में लेनदेन की प्रक्रिया करेगा, यानी, डेबिट (भुगतान) बिना इंटरनेट कनेक्शन के किया जा सकता है और खाते में क्रेडिट ऑनलाइन किया जाएगा।
- ❖ हालाँकि, भविष्य में UPI लाइट को ऑफ़लाइन बनाने की योजना है जहाँ ग्राहक लेनदेन - डेबिट और क्रेडिट दोनों - को पूर्ण ऑफ़लाइन मोड में कर सकते हैं

अंतर्देशीय जलमार्ग

- ❖ शिपिंग और नेविगेशन के लिए अंतर्देशीय जलमार्गों के विकास और विनियमन के लिए 27 अक्टूबर 1986 को भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (IWAI) अस्तित्व में आया।
- ❖ प्राधिकरण मुख्य रूप से शिपिंग मंत्रालय से प्राप्त अनुदान के माध्यम से राष्ट्रीय जलमार्गों पर आईडब्ल्यूटी बुनियादी ढांचे के विकास और रखरखाव के लिए परियोजनाएं चलाता है।
- ❖ राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम, 2016 ने उन पर शिपिंग और नेविगेशन को बढ़ावा देने के लिए देश में 111 अंतर्देशीय जलमार्गों को 'राष्ट्रीय जलमार्ग' (एनडब्ल्यू) घोषित किया है।
- ❖ देश के 24 राज्यों में फैले एनडब्ल्यू की कुल लंबाई 20,275 किमी है।
- ❖ राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम, 2016 के तहत घोषित 111 राष्ट्रीय जलमार्गों (एनडब्ल्यू) में से 13 एनडब्ल्यू शिपिंग और नेविगेशन के लिए चालू हैं और कार्गो/यात्री जहाज उन पर चल रहे हैं।
- ❖ अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) मोड को व्यापक रूप से परिवहन के पर्यावरण अनुकूल और लागत प्रभावी मोड के रूप में मान्यता प्राप्त है।

राष्ट्रीय तकनीकी कपड़ा मिशन (एनटीटीएम)

- ❖ तकनीकी वस्त्र इंजीनियर्ड उत्पाद हैं जिनके विशिष्ट कार्य होते हैं।
- ❖ वे केवलर, नोमेक्स, द्वारोन और स्पैन्डेक्स जैसे प्राकृतिक और सिंथेटिक फाइबर से बने होते हैं।
- ❖ इन रेशों में उन्नत कार्यात्मक गुण हैं, जैसे बेहतर थर्मल प्रतिरोध, उत्कृष्ट इन्सुलेशन और उच्च दृढ़ता।
- ❖ तकनीकी वस्त्रों को निम्नलिखित गुणों के लिए अनुकूलित किया गया है: मजबूती, स्थायित्व, रासायनिक प्रतिरोध, ज्वाला प्रतिरोध, नमी प्रबंधन।

राष्ट्रीय तकनीकी कपड़ा मिशन (एनटीटीएम)

- ❖ कपड़ा मंत्रालय ने क्षेत्र की असाधारण विकास दर का लाभ उठाते हुए भारत में तकनीकी वस्त्रों के प्रवेश स्तर को बढ़ाने के लिए एनटीटीएम लॉन्च किया है।
- ❖ मिशन का लक्ष्य भारत को तकनीकी वस्त्र क्षेत्र में वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करना है।
- ❖ मिशन में निम्नलिखित चार घटक शामिल होंगे:
- ❖ अनुसंधान, नवाचार और विकास संवर्धन एवं बाज़ार विकास
- ❖ निर्यात प्रोत्साहन
- ❖ शिक्षा, प्रशिक्षण, कौशल विकास
- ❖ **कार्यान्वयन:** इसे वित्त वर्ष 2020-21 से शुरू होकर वित्त वर्ष 2026-27 तक छह वर्षों की कार्यान्वयन अवधि के साथ अनुमोदित किया गया है।



KHAN GLOBAL STUDIES

Most Trusted Learning Platform

THANKS FOR WATCHING

